किसी के नाम रूप में फंसना होता उल्टा खाता बनाना
एक बाप की ही याद में सदा रहना
भाग्यवान बच्चे किसी को मनसा- वाचा- कर्मणा दुःख नही देते
सब को सुख देने का ही पुरुषार्थ करते
खुश रहते,शीतल रहते और गुटका नही खाते
ज्ञान के मस्ती से निर्बंधन बनते
देहधारियों से प्यार बंधनयुक्त बनाता
कर्मयोगी बनकर रहना ,आत्मभिमानी बनना
बहुत मीठा और शीतल बनना
सब सम्बन्ध सिर्फ एक बाप से रखना
जब एक बाप से सम्बन्ध तो बंधन कैसा
मोह के बीज को ख़त्म कर नष्टोमोहा बनना
जब बीज को खत्म कर दिया तो वृक्ष कैसा
मनमनाभव की विधि से सर्व बंधन कट जाते
ब्राह्मण जीवन का सांस होता उमंग उत्साह
किसी भी परिस्थिति में इसका प्रेशर कम नही करना

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!